# पाठ - 9
# मसीह का जन्म तथा जीवन

## I पाठ संबंधी विचार

1. यशायाह 7:14 - यीशु एक कुंवारी से पैदा हुआ था।
2. मीका 5:2 - वह बैतलहम में पैदा हुआ था।
3. दानिय्येल 2:44 - वह चौथे राजा के दिनों में पैदा हुआ था।

## II विषय-वस्तु:

यीशु बाइबल में की गई भविष्यवाणियों के अनुसार बताए हुए समय तथा स्थान पर पैदा हुआ। वह मूसा की व्यवस्था के अधीन रहा और बिल्कुल हमारी तरह ही परीक्षा में पड़ा, परन्तु उसने कोई पाप न किया। उसने अपने आप को अपने पिता की इच्छा के आगे सौंप दिया।

**1. यीशु का जन्म भविष्यवाणियों के अनुसार हुआ:**

क) यशायाह के द्वारा की गई भविष्यवाणी के मुताबक मसीह का जन्म कुंवारी से हुआ- यशायाह 7:14; मत्ती 1:18-24.

ख) मीका नबी की भविष्यवाणी के अनुसार बैतलहम में - मीका 5:2; मत्ती 2:4-6.

ग) रोमी राजाओं के दिनों में- दानिय्येल 2:44; 9:24-26; लूका 2:1.

घ) सभी जातियों के लिए आशीष बनने के लिए- उत्पत्ति 12:3; लूका 2:10.

ङ) वह प्रतिज्ञा किया हुआ मसीह है- लूका 2:8-11,25-32; मत्ती 2:1-12.

**2. यीशु एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह बड़ा हुआ:**

क) व्यवस्था के अधीन खतना हुआ- लूका 2:21-22; गलतियों 4:4-5; मत्ती 5:17-18.

ख) वह परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया- लूका 2:49-52; इब्रानियों 5:9.,

ग) उसने यूहन्ना से बपतिस्मा लिया- लूका 2:8-11.

**3. शैतान द्वारा यीशु की परीक्षा ली गई:**

क) यीशु की शरीर की अभिलाषा और आंखों की अभिलाषा और जीविका के घमण्ड से परीक्षा हुई- मत्ती 4:1-11; 1 यूहन्ना 2:15-16; याकूब 1:13-15; इब्रानियों 2:14-18.

ख) यीशु ने शैतान का सामना करने के लिए परमेश्वर के वचन का इस्तेमाल किया- लूका 4:1-13; यूहन्ना 5:30.

ग) यीशु ने पाप किया- इब्रानियों 4:14-15; 2 कुरिन्थियों 5:21; 1 पतरस 2:21-24.

**4. यीशु शिक्षा देता और सामर्थ के बड़े चिह्न दिखाता रहा:**

क) उसने नगरों और गांवों में शिक्षा दी- मत्ती 9:35-36.

ख) उसने बड़े-बड़े आश्चर्यकर्म किए- यूहन्ना 9;11; लूका 8:26-39.

ग) उसने हमें सिखाया कि एक दूसरे से प्रेम करें और एक दूसरे की सेवा करें- यूहन्ना 13:1-17, 31-35.

**5. यीशु ने विजय प्राप्त करके यरूशलेम में प्रवेश किया- मत्ती 21; मरकुस 11; लूका 19; यूहन्ना 12.**

क) वह ख्रिस्तुस अर्थात् मसीह है, जिसके आने का वायदा किया गया था- लूका 19:38; यूहन्ना 12:13; यूहन्ना 18:37.

ख) वह एक गदही के बच्चे पर सवार हुआ, जैसे वायदा किया गया था- जकर्याह 9:9; लूका 19:30-35.

ग) लोगों ने उसकी महिमा की- मरकुस 11:8-10.

घ) उसने मन्दिर को शुद्ध किया- मत्ती 21:12-16; मरकुस 11:15-17; लूका 19:45-46.

## III व्यावहारिक प्रासंगिकताएं

1. यीशु के आश्चर्यकर्म प्रमाणित करते हैं कि वह परमेश्वर का पुत्र है- यूहन्ना 20:30-31.
2. यीशु ने हम पर परमेश्वर को उसी प्रकार प्रकट किया है जिस प्रकार हम उसे समझ सकते हैं:
   क) उसमें परमेश्वरत्व की परिपूर्णता सदेह वास करती है- कुलुस्सियों 2:8-10.
   ख) वह परमेश्वर का उचित प्रतिनिधित्व करता है- इब्रानियों 1:1-4.
   ग) उसका तेज सुसमाचार का प्रकाश है - 2 कुरिन्थियों 4:1-7.
3. हमें परमेश्वर की सेवा के लिए आर्थिक लाभ लेने से परहेज़ रखना चाहिए- मत्ती 21:13; 1 पतरस 4:19; 5:1-4; 2 पतरस 2:1-3; याकूब 4:1-10.

**IV याद करने के लिए आयत-** लूका 2:51-52, ''तब वह उनके साथ गया, और नासरत में आया, और उन के वश में रहा; और उसकी माता ने ये सब बातें अपने मन में रखीं। और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया।''